आजा भवानी एक बार मैं तो कब से खड़ा हूँ तेरे द्वार पर

आजा भवानी एक बार,
मैं तो कब से खड़ा हूँ,
तेरे द्वार पर,
आजां भवानी एक बार।bd।

तर्ज – तुझको पुकारे मेरा।

अम्बे भवानी दुर्गे भवानी,
मुझे आस चरण की,
रख लेना मैया लाज हमारी,
लागी लगन की,
दर्शन तो दे दे एक बार,
मैं तो कब से खड़ा हूँ,
तेरे द्वार पर,
आजां भवानी एक बार।bd।

भेंट लिए मैं तो कब से खड़ा हूँ,
मैया द्वार पे तेरे,
पूरण करदे मैया भवानी,
कारज मेरे,
मुझको है तेरा एतबार,
मैं तो कब से खड़ा हूँ,
तेरे द्वार पर,
आजां भवानी एक बार।bd।

है जग दाती तेरे चरण की,
धूल मिले जो,
राजेन्द्र के घर खुशियों के मां,
फूल खिले जो,
मिल जाये चेन करार,
मैं तो कब से खड़ा हूँ,
तेरे द्वार पर,
आजां भवानी एक बार।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
आजा भवानी एक बार,

मैं तो कब से खड़ा हूँ,
तेरे द्वार पर,
आजां भवानी एक बार।bd।

गीतकार / गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262340

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com